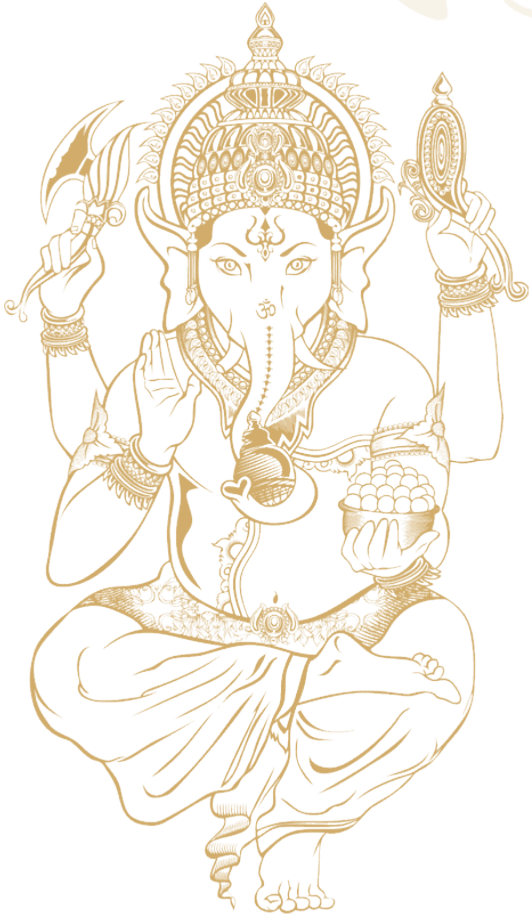

Renu

23 Jun 2001

06:30 AM

Bilara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403204

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **23/06/2001**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **06:30:00 घंटे**
इष्ट	: 01:55:31 घटी
स्थान	: **Bilara**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 26:10:00 उत्तर
रेखांश	: 73:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:34:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 05:55:12 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:00:17 घंटे
सूर्योदय	: 05:43:47 घंटे
सूर्यास्त	: 19:30:08 घंटे
दिनमान	: 13:46:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 07:46:21 मिथुन
लग्न के अंश	: 17:14:45 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: ध्रुव
करण	: कौलव
गण	: देव
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:14:45	318:49:56	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	07:46:21	00:57:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			मिथु	28:49:24	14:42:05	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल	व		वृश्चि	25:53:53	00:18:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	वृष	28:22:48	00:21:42	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	मिथु	01:36:12	00:13:48	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	22:40:42	01:02:20	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			वृष	14:06:54	00:07:21	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:28:28	00:00:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:28:28	00:00:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:43:49	00:01:08	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:26:15	00:01:13	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:33:34	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:12:00	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:23

लग्न-चलित

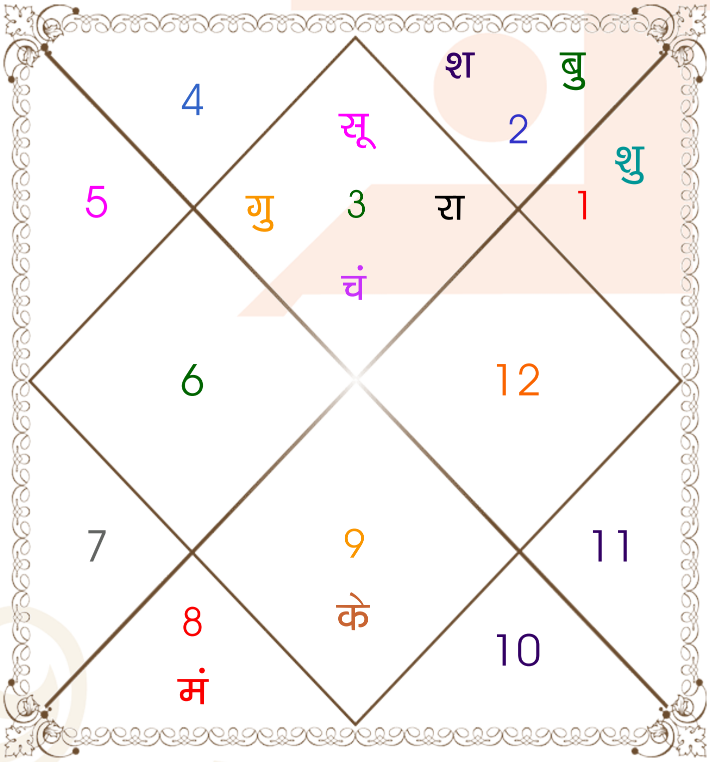

चन्द्र कुंडली

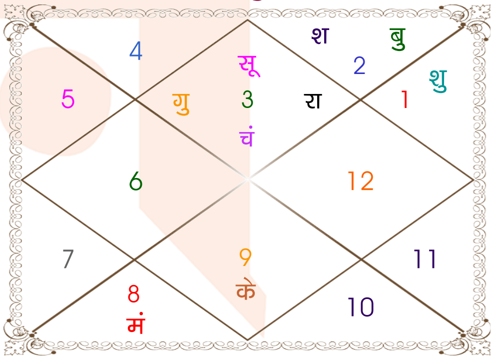

नवमांश कुंडली

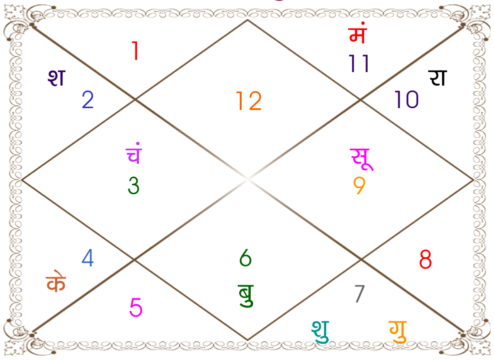

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 4 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/06/2001		20/11/2006		20/11/2025		20/11/2042		20/11/2049	
20/11/2006		20/11/2025		20/11/2042		20/11/2049		20/11/2069	
	00/00/0000	शनि	23/11/2009	बुध	18/04/2028	केतु	19/04/2043	शुक्र	22/03/2053
	00/00/0000	बुध	02/08/2012	केतु	15/04/2029	शुक्र	18/06/2044	सूर्य	22/03/2054
	00/00/0000	केतु	11/09/2013	शुक्र	14/02/2032	सूर्य	24/10/2044	चंद्र	21/11/2055
	00/00/0000	शुक्र	11/11/2016	सूर्य	20/12/2032	चंद्र	25/05/2045	मंगल	20/01/2057
	23/06/2001	सूर्य	24/10/2017	चंद्र	22/05/2034	मंगल	21/10/2045	राहु	21/01/2060
सूर्य	22/03/2002	चंद्र	25/05/2019	मंगल	19/05/2035	राहु	08/11/2046	गुरु	21/09/2062
चंद्र	22/07/2003	मंगल	03/07/2020	राहु	05/12/2037	गुरु	15/10/2047	शनि	20/11/2065
मंगल	27/06/2004	राहु	10/05/2023	गुरु	12/03/2040	शनि	23/11/2048	बुध	20/09/2068
राहु	20/11/2006	गुरु	20/11/2025	शनि	20/11/2042	बुध	20/11/2049	केतु	20/11/2069

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/11/2069		21/11/2075		20/11/2085		20/11/2092		21/11/2110	
21/11/2075		20/11/2085		20/11/2092		21/11/2110		00/00/0000	
सूर्य	10/03/2070	चंद्र	20/09/2076	मंगल	18/04/2086	राहु	03/08/2095	गुरु	09/01/2113
चंद्र	08/09/2070	मंगल	21/04/2077	राहु	07/05/2087	गुरु	27/12/2097	शनि	23/07/2115
मंगल	14/01/2071	राहु	21/10/2078	गुरु	12/04/2088	शनि	03/11/2100	बुध	28/10/2117
राहु	09/12/2071	गुरु	20/02/2080	शनि	22/05/2089	बुध	23/05/2103	केतु	04/10/2118
गुरु	26/09/2072	शनि	20/09/2081	बुध	19/05/2090	केतु	10/06/2104	शुक्र	04/06/2121
शनि	08/09/2073	बुध	20/02/2083	केतु	15/10/2090	शुक्र	10/06/2107	सूर्य	24/06/2121
बुध	16/07/2074	केतु	21/09/2083	शुक्र	15/12/2091	सूर्य	04/05/2108		00/00/0000
केतु	20/11/2074	शुक्र	22/05/2085	सूर्य	21/04/2092	चंद्र	03/11/2109		00/00/0000
शुक्र	21/11/2075	सूर्य	20/11/2085	चंद्र	20/11/2092	मंगल	21/11/2110		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।